गोमांस, बन्दरों, पक्षियों और मेंढक-टांगों का निर्यात

722. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गोमांस, बन्दरों और पक्षियों तथा मेंढक-टांगों के निर्यात की मनाई कर दी है ;

(ख) यदि हां, तो इसका निर्यात किन देशों को किया जाता था और गत तीन वर्षों में इनका, अलग-अलग कितने मूल्य का निर्यात किया गया ; और

(ग) ये मेंढक किन क्षेत्रों में पाये जाते है और क्या मेंढकों की वंशवृद्धि के लिए भी कोई प्रयास किये गये हैं ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) गोमांस (गाय परिवार के मांस) के निर्यात पर पहले ही पूरी तरह से रोक है । बन्दरों के निर्यात पर भी रोक लगा दी गई है । पक्षियों तथा मेंढकों की टांगों के निर्यात पर कोई रोक नहीं है ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान बन्दरों तथा मेंढकों की टांगों के देशवार निर्यात दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है । [**ग्रन्थालय में रखा गया । देखिये** संख्या एलटी—1599/78] ।

(ग) निर्यात योग्य किस्मों के मेंढक अधिकतर केरल, तामिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र तथा पश्चिम बंगाल में पाये जाते हैं । उपयुक्त पालन-तकनीकी तथा मेंढक-फार्मिंग निकालने के लिए केन्द्रीय अन्तःस्थलीय मीन उद्योग संस्थान बरकपुर में तथा केरल सरकार द्वारा अलग से अनुसंधान कार्य किया जा रहा है ।

पेय जल का निर्यात

723. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बम्बई से ईरान सरकार को पेय जल का निर्यात किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उसकी मात्रा, दर और शर्तें क्या है ; और

(ग) यह जल किस स्थान से उपलब्ध किया जाएगा और क्या इसके परिणामस्वरूप बम्बई की पेय जल योजना पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की कोई सम्भावना है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते ।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में हिन्दी का ज्ञान रखने वाले कर्मचारी

724. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय/विभाग में कुल कितने प्रभाग है और उनमें कितने प्रभाग ऐसे है जहां 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को हिन्दी का ज्ञान है ;

(ख) कुल कितने प्रभाग ऐसे है जहां इस समय टिप्पण और आलेखन हिन्दी में हो रहा है और अन्य प्रभागों में ऐसा न करने के क्या कारण हैं ; और